करेंट अफेयर्स
छत्तीसगढ़
(संग्रह)

जून
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़

- छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 3
- न्यायालय की अवमानना 4
- इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान 6
- छठी उमाई राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन 7
- PEKB छत्तीसगढ़ की पहली सौर ऊर्जा चालित कोयला खदान बनी 8
- अबूझमाड़ क्षेत्र 9
- सरकारी नेतृत्व वाली कोल्ड चेन और विकिरण सुविधा 11
- छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं हेतु शिक्षा कार्यक्रम 12

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ सरकार ने **ग्रामीण और जनजातीय बहुल क्षेत्रों**, जिसमें माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग भी शामिल है, में **पर्यटन को बढ़ावा देने** के लिये **'छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30'** को मंज़ूरी दी है।

प्रमुख बिंदु

- **नीति के बारे में:**
  - यह नीति **बस्तर क्षेत्र** में जारी **नक्सल-विरोधी अभियानों** के बीच मंज़ूर की गई है, जो एक जनजातीय बहुल और माओवाद प्रभावित क्षेत्र है।
  - यह नीति छत्तीसगढ़ के दो प्रमुख जनजातीय बहुल क्षेत्रों—**बस्तर और सरगुजा—पर केंद्रित** है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जैवविविधता के लिये प्रसिद्ध हैं।
    - बस्तर के जनजातीय समुदाय मुख्य रूप से **गोंड, मारिया, मुरिया, भद्रा, हल्बा और धुरुआ** हैं।
    - सरगुजा **गोंड, भूमिज, ओरांव, पनिका, कोरवा, भुइया, खरवार, मुंडा, चेरो** और अन्य जनजातियों का आवास है।
- **उद्देश्य और सांस्कृतिक संवर्द्धन:**
  - होमस्टे आगंतुकों को ग्रामीण जीवन का गहन अनुभव प्रदान करेगा, जिसमें **जनजातीय संस्कृति, स्थानीय कला और हस्तशिल्प तथा अद्वितीय क्षेत्रीय विशेषताएँ** प्रदर्शित होंगी।
- **स्थानीय लोगों के लिये सामाजिक-आर्थिक लाभ:**
  - इस नीति का उद्देश्य **स्थानीय निवासियों** को होमस्टे चलाने में सक्षम बनाकर उनके लिये **आय के अवसर सृजित करना** है।
  - यह **'वोकल फॉर लोकल' पहल का** समर्थन करता है और इससे ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय उद्यमिता को मज़बूती मिलने की उम्मीद है।

माओवाद

- **परिचय:**
- **माओवाद माओ त्से तुंग द्वारा विकसित साम्यवाद का एक रूप है। यह सशस्त्र विद्रोह, जन-आंदोलन और रणनीतिक गठबंधनों** के संयोजन के माध्यम से राज्य सत्ता पर कब्ज़ा करने का सिद्धांत है।
  - माओ ने इस प्रक्रिया को **'दीर्घकालिक जनयुद्ध'** कहा, जिसमें सत्ता पर कब्ज़ा करने के लिये **'सैन्य लाइन' पर** ज़ोर दिया जाता है।
- **माओवादी विचारधारा:**
  - माओवादी विचारधारा का केंद्रीय विषय राज्य सत्ता पर कब्ज़ा करने के साधन के रूप में **हिंसा और सशस्त्र विद्रोह का प्रयोग** करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- माओवादी उग्रवाद सिद्धांत के अनुसार, '**हथियार रखने पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता**'।
- **भारतीय माओवादी:**
  - भारत में सबसे बड़ा और सबसे हिंसक माओवादी संगठन **भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)** है जिसका गठन वर्ष 2004 में हुआ था।
  - CPI (माओवादी) और उसके अग्रणी संगठनों को **विधिविरुद्ध गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया।**
  - **फ्रंट ऑर्गनाइजेशन** मूल माओवादी पार्टी की शाखाएँ हैं, जो **कानूनी उत्तरदायित्व से बचने के लिये अलग अस्तित्व का दावा** करती हैं।

वोकल फॉर लोकल पहल

- नीति आयोग ने अपने एस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्राम (ABP) के तहत 'वोकल फॉर लोकल' पहल शुरू की।
- इस पहल का उद्देश्य **नागरिकों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना** तथा **सतत् विकास और समावेशी समृद्धि** को बढ़ावा देना है।
- इस पहल के एक भाग के रूप में, **500 आकांक्षी ब्लॉकों** के स्वदेशी स्थानीय उत्पादों को आकांक्षा के तहत मैप और समेकित किया गया है।
  - **आकांक्षा एक व्यापक ब्रांड के रूप में कार्य करता है,** जिसे वैश्विक बाज़ारों में प्रवेश की क्षमता के साथ **विभिन्न उप-ब्रांडों** में विस्तारित किया जा सकता है।
- इन स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये सरकार ने सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल पर आकांक्षा ब्रांड के तहत एस्पिरेशनल ब्लॉक कार्यक्रम के लिये एक समर्पित विंडो शुरू की है।
- **साझेदार संगठन से सहायता:**
  - साझेदार संगठन निम्नलिखित के लिये तकनीकी और परिचालन सहायता प्रदान करेंगे:
    - ई-कॉमर्स ऑनबोर्डिंग
    - बाज़ार संपर्क विकास
    - वित्तीय और डिजिटल साक्षरता
    - दस्तावेज़ीकरण और प्रमाणन
    - कौशल विकास एवं क्षमता वृद्धि

न्यायालय की अवमानना

चर्चा में क्यों?

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने **मई 2025** में निर्णय दिया था कि **न्यायालय के आदेश** के बाद संसद या **राज्य** विधानमंडल द्वारा पारित **कानून** को न्यायालय की अवमानना नहीं माना जा सकता।

- यह निर्णय **सलवा जुडूम** के खिलाफ **सर्वोच्च न्यायालय** के आदेश के बावजूद **छत्तीसगढ़** में **सहायक बल** के गठन पर वर्ष **2012** की **अवमानना याचिका** को **खारिज** करते हुए आया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **मामले की पृष्ठभूमि:**
  - **सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय 2011: छत्तीसगढ़ सरकार** को **सलवा जुडूम** को समर्थन **बंद करने** और **माओवादियों से लड़ने** के लिये सशस्त्र विशेष पुलिस अधिकारियों (SPO) को **भंग करने** का निर्देश दिया गया।
  - **कथित अवमानना:** राज्य ने निर्णय के बाद **छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम, 2011** पारित किया, जिससे SPO को **वैधानिकता** और **पुनर्गठन** मिला।
- **सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय:**
  - **विधायी शक्तियाँ और अवमानना:** न्यायालय ने माना कि **न्यायालय के आदेश** के बाद **कानून बनाना अवमानना** नहीं है, जब तक कि **संवैधानिक न्यायालय** द्वारा उसे **असंवैधानिक** घोषित न कर दिया जाए।

न्यायालय की अवमानना

- **न्यायालय की अवमानना** एक **कानूनी तंत्र** है, जिसका उपयोग **न्यायपालिका के अधिकार**, **गरिमा** और स्वतंत्रता को प्रेरित हमलों या अनुचित आलोचना से बचाने के लिये किया जाता है।
- यह सुनिश्चित करता है कि **न्यायिक संस्थाओं** का **सम्मान** किया जाए और उनके **आदेशों का पालन** किया जाए।

वैधानिक आधार:

- **अनुच्छेद 19(2):** न्यायालय की अवमानना सहित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगाता है।
- **अनुच्छेद 129: सर्वोच्च न्यायालय** को स्वयं की अवमानना के लिये दंडित करने की शक्ति प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 215:** उच्च न्यायालयों को समान शक्ति प्रदान करता है।
- **न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971** अवमानना कार्यवाही के लिये **वैधानिक ढाँचा** प्रदान करता है।

अवमानना के प्रकार:

- **सिविल अवमानना:** न्यायालय के किसी निर्णय, आदेश या निर्देश की **जानबूझकर अवज्ञा** करना। इसमें न्यायालय को दिये गए निर्देशों का उल्लंघन भी शामिल है।
- **आपराधिक अवमानना:** न्यायालय को **बदनाम करना**, उसके अधिकार को कम करना या न्यायिक कार्यवाही में **हस्तक्षेप** करना। इसमें न्याय प्रशासन में बाधा डालने वाला कोई भी कार्य भी शामिल है।
  - **नोट:** न्यायालय की कार्यवाही की निष्पक्ष और सटीक रिपोर्टिंग तथा निपटारे के बाद निर्णयों की निष्पक्ष आलोचना को **अवमानना** नहीं माना जाएगा।

सज़ा

- न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 के तहत सज़ा में **6 महीने तक की कैद**, **2,000 रुपए तक का जुर्माना** या दोनों शामिल हो सकते हैं।
- **2006 का संशोधन** सत्य और सद्भाव की रक्षा की अनुमति देता है।
- दंड केवल तभी दिया जाना चाहिये जब न्याय में पर्याप्त हस्तक्षेप हो।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों ?

नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान **छत्तीसगढ़ के बीजापुर ज़िले** स्थित इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान में **सुरक्षा बलों की माओवादियों से मुठभेड़** हुई।

वामपंथी उग्रवाद

परिचय

- **उत्पत्ति:** वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में विद्रोह
- **उद्देश्य:** क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

विचारधारा

- सशस्त्र क्रांति (हिंसा और गुरिल्ला पद्धति) के माध्यम से केंद्र सरकार का विरोध
- माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना

ज़िम्मेदार कारक

- विकास परियोजनाओं, खनन कार्यों के कारण **जनजातीय आबादी का वृहद् स्तरीय विस्थापन**
- **आदिवासी असंतोष;** वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 जनजातियों को वन संसाधनों की कटाई करने से रोकता है
- **निर्धनता और स्थायी साधनों की कमी;** नक्सली आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरक कारक
- **प्रभावी शासन का अभाव;** नक्सलवाद के विरुद्ध अपर्याप्त तकनीकी खुफिया जानकारी

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

- **रेड कॉरिडोर:** गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल

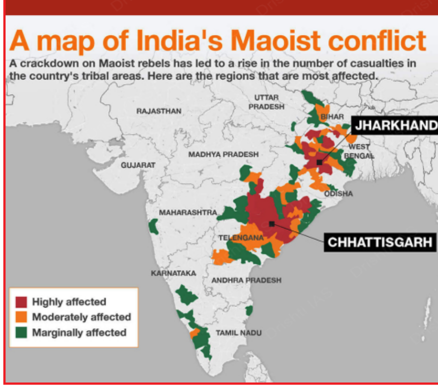

वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगाने हेतु सरकारी पहलें

- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015
- SAMADHAN सिद्धांत
  - S- स्मार्ट लीडरशिप
  - A- एग्रेसिव स्ट्रेटेजी
  - M- मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस
  - D- डैशबोर्ड-बेस्ड KPIs (Key Performance Indicators) और KRAs (Key Result Areas)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी
  - A- एक्शन प्लान फॉर इच थिएटर
  - N- नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग
- सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA)
- ऑपरेशन ग्रीन हंट
- **ग्रेहाउंड** (आंध्र प्रदेश का इलीट कमांडो फोर्स)
- **बस्तरिया बटालियन** (छत्तीसगढ़ में स्थानीय नियुक्तियाँ जो भाषा और इलाके से परिचित हैं, जिससे खुफिया जानकारी एकत्रित की जा सके और ऑपरेशन किये जा सकें)

नक्सलवाद का सामना- बंदोपाध्याय समिति (वर्ष 2006)

- इसमें जनजातियों के प्रति आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव एवं शासन की अपर्याप्त नीतियों पर प्रकाश डाला गया
- इसमें आदिवासियों के लिये भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की सिफारिश की गई

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
  - **यह छत्तीसगढ़ के बीजापुर ज़िले** में स्थित है।
  - इसकी **स्थापना वर्ष 1981 में हुई थी** और इसे भारत के **प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1983 में बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था।**
  - इसका नाम **इंद्रावती नदी** के नाम पर रखा गया है, जो पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है और महाराष्ट्र के साथ रिज़र्व की उत्तरी सीमा बनाती है।
- **वनस्पति प्रवर्द्धन:**
  - इसमें मुख्यत: तीन प्रकार के वन शामिल हैं:
    - सागौन सहित नम मिश्रित पर्णपाती वन
    - सागौन रहित नम मिश्रित पर्णपाती वन
    - दक्षिणी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन
- **वनस्पति:**
  - सामान्य वृक्ष प्रजातियों में **सागौन, अचार, कर्रा, कुल्लू, शीशम, सेमल, हल्दू, अर्जुन, बेल और जामुन शामिल हैं।**
- **जीव-जंतु:**
  - **यहाँ दुर्लभ जंगली भैंसों** की अंतिम आबादियों में से एक मौजूद है।
  - अन्य प्रजातियों में **नीलगाय, काला हिरण, सांभर, गौर, बाघ, तेंदुआ, चीतल, भालू आदि शामिल हैं।**
  - **नक्सल विरोधी अभियान:**
    - ऑपरेशन ग्रीन हंट, ऑपरेशन कागर, ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे **वृहद स्तर के अभियानों** के तहत अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती कर **नक्सली उपस्थिति समाप्त करने** का प्रयास किया जाता है।
    - कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) और ग्रे हाउंड्स **(आंध्र प्रदेश)** जैसे विशेष बलों के साथ-साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) तथा राज्य पुलिस की बढ़ी हुई तैनाती, दीर्घकालिक सुरक्षा के लिये रेड कॉरिडोर में आतंकवाद विरोधी प्रयासों को मज़बूत करती है।
- **मारे गए माओवादी:**
  - वर्ष 2025 में **छत्तीसगढ़ में 209 माओवादी मारे गए,** जिनमें से अकेले बस्तर क्षेत्र में 192 मौतें हुईं।
  - वर्ष 2024 में राज्य में कुल 219 माओवादी मारे गए,जिनमें से **217 बस्तर क्षेत्र** में मारे गए थे।

छठी उमाई राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ ने छठी यूनाइटेड मुएथाई एसोसिएशन इंडिया (UMAI) राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 35 पदक जीते।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **मुएथाई के बारे में**
  - यह एक पारंपरिक थाई (थाईलैंड) **युद्ध** खेल है जिसे मुट्ठी, कोहनी, घुटने और पिंडलियों के उपयोग के लिये "**आठ अंगों की कला**" **के रूप में जाना जाता है।**
  - यह खेल **स्ट्राइकिंग और क्लिंचिंग तकनीकों** के संयोजन पर आधारित है, जिसमें **मज़बूत शारीरिक तथा मानसिक अनुशासन** की आवश्यकता होती है।
  - **मुएथाई** सदियों से **थाई संस्कृति और इतिहास** का अभिन्न हिस्सा रहा है तथा यह अनेक ऐतिहासिक संघर्षों में **थाई योद्धाओं एवं सैनिकों की प्राथमिक आत्मरक्षा तकनीक** के रूप में प्रयोग होता रहा है।
- **6वीं UMAI राष्ट्रीय मुएथाई चैंपियनशिप:**
  - यह चैंपियनशिप **हरियाणा के रोहतक** में आयोजित की गई। हरियाणा **स्पोर्ट्स मुएथाई एसोसिएशन (HSMA) ने यूनाइटेड मुएथाई एसोसिएशन इंडिया (UMAI)** के तत्त्वावधान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया।
    - यूनाइटेड **मुएथाई एसोसिएशन इंडिया (UMAI)** जिसका मुख्यालय जयपुर, राजस्थान में है, भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेशेवर तथा शौकिया मुएथाई दोनों के लिये आधिकारिक शासी निकाय के रूप में कार्य करता है।

PEKB छत्तीसगढ़ की पहली सौर ऊर्जा चालित कोयला खदान बनी

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ स्थित परसा ईस्ट और कांता बासन (PEKB) कोयला खदान राज्य की पहली ऐसी खदान बन गई है, जो **पूरी तरह** सौर ऊर्जा से संचालित होकर **ऊर्जा के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता** प्राप्त कर रही है।

मुख्य बिंदु

- **PEKB खदान के बारे में:**
  - **परसा ईस्ट और कांता बासन (PEKB)** कोयला खदान, बिजली उत्पादन हेतु कोयला आपूर्ति में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे लगभग **80 मिलियन उपभोक्ताओं** को लाभ मिलता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- PEKB में स्थापित **सौर संयंत्र** से आने वाले **25 वर्षों** में अनुमानतः **4 लाख टन कार्बन उत्सर्जन** में कमी आने की सम्भावना है, जो 25 लाख पेड़ लगाने के बराबर मानी जाती है।
- **पर्यावरणविदों** के अनुसार, यह पहल ऊर्जा सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जिसमें कोयला खनन को स्वच्छ ऊर्जा समाधानों से जोड़ा गया है।

- **छत्तीसगढ़ में कोयला भंडार:**
  - यह राज्य **भारत के कुल कोयला भंडार** का लगभग **16%** हिस्सा रखता है, जिससे यह कोयला संसाधनों की दृष्टि से सबसे समृद्ध राज्यों में गिना जाता है।
  - कोयला उत्पादन में छत्तीसगढ़ देश में दूसरे स्थान पर है और यह **भारत के कुल उत्पादन** में **18% से अधिक** का योगदान देता है।
  - इनमें से अधिकांश भंडार बिजली उत्पादन के लिये उपयुक्त पावर-ग्रेड कोयले के हैं।
  - अनुमानतः राज्य के **12 कोयला क्षेत्रों** में **44,483 मिलियन टन कोयले** की पहचान की गई है, जो मुख्यतः **रायगढ़, सरगुजा, कोरिया और कोरबा** ज़िलों में स्थित हैं।
- छत्तीसगढ़ स्थित कोल इंडिया की सहायक कंपनी **साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL)** की **गेवरा** और **कुसमुंडा** कोयला खदानें वैश्विक स्तर पर दूसरे और चौथे स्थान पर रहीं।
  - **कोरबा ज़िले** में स्थित ये दोनों खदानें संयुक्त रूप से प्रति वर्ष **100 मिलियन टन से अधिक** कोयला उत्पादन करती हैं, जो भारत के कुल कोयला उत्पादन का लगभग **10%** है।
- इन खदानों में विस्फोट-मुक्त संचालन के लिये **सतही खनन मशीनों** जैसी उन्नत और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किया जाता है।

अबूझमाड़ क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2026 तक **माओवादी** प्रभाव समाप्त करने के प्रयासों के बीच, छत्तीसगढ़ के **अबूझमाड़ क्षेत्र** के विकास को लेकर **सतत् विकास**, **जनजातीय अधिकार** तथा **माओवादी प्रभाव** को लेकर चिंताएँ उत्पन्न हो रही हैं।

मुख्य बिंदु

- **अबूझमाड़ क्षेत्र के बारे में:**
  - अबूझमाड़ नाम का हिंदी में अर्थ है '**अगम्य पठार**' जबकि गोंडी भाषा में इसे '**साल वन**' के रूप में जाना जाता है।
  - वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, अबूझमाड़ में लगभग 40,000 अबूझमाड़िया जनजातियाँ निवास करती हैं, जो **गोंड जनजाति** का एक उपसमूह है।
    - इन्हें छत्तीसगढ़ के 7 **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTGs)** में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - ब्रिटिश शासनकाल में अबूझमाड़ को **भारत सरकार अधिनियम, 1935** के तहत '**बहिष्कृत क्षेत्र**' के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
  - स्वतंत्रता के बाद इसकी दुर्गमता और विकासहीनता के कारण माओवादियों ने इसे अपना **अनौपचारिक मुख्यालय** बना लिया और '**मुक्त क्षेत्र**' (liberated zone) की संज्ञा दी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **अबूझमाड़ पर नियंत्रण की सरकारी योजना:**
  - केंद्रीय गृह मंत्री ने मार्च 2026 तक माओवादी उन्मूलन की घोषणा की है, जिसमें नई सड़कों, सुविधाओं और मुख्य वन क्षेत्रों में **लौह अयस्क खनन** के विस्तार के माध्यम से कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने की योजना है।
- **अधिकार तथा विधिक चिंताएँ:**
  - **वन एवं पर्यावास अधिकार:** **वन अधिकार अधिनियम, 2006**, वन में रहने वाले समुदायों को आवास अधिकार सहित विशेष अधिकार प्रदान करता है।
  - वर्ष 2019 में जब अबूझमाड़िया समुदाय ने इन अधिकारों का दावा करने का प्रयास किया, तो उन्हें **माओवादी धमकियों** तथा **राज्य के सहयोग की कमी** का सामना करना पड़ा।
- **सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व:**
  - अबूझमाड़ क्षेत्र के भीतर स्थित **वेरवाकोट पहाड़ी** को **गोंडी धार्मिक विश्वासों** में अत्यंत महत्त्वपूर्ण माना जाता है, जहाँ से **मानव जीवन की उत्पत्ति** मानी जाती है।

विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG)

- **PVTG के बारे में:**
  - ये समुदाय भारत की जनजातियों में **सबसे अधिक असुरक्षित** माने जाते हैं। इसका मुख्य कारण है कि, अधिक विकसित और मुखर जनजातीय समूह **जनजातीय विकास निधि** का एक बड़ा भाग अर्जित कर लेते हैं, जिसके कारण PVTG को **विशेष ध्यान** तथा **लक्षित सहायता** की आवश्यकता होती है।
  - **वर्ष 1973** में **ढेबर आयोग** ने **आदिम जनजातीय समूहों (Primitive Tribal Groups- PTG)** को सबसे कम विकसित जनजातियों के रूप में चिह्नित किया। वर्ष 2006 में भारत सरकार ने **PTG का नाम बदलकर PVTG** कर दिया।
  - भारत सरकार ने वर्ष 1975 में ऐसे 52 समूहों की पहचान की जबकि वर्ष 1993 में 23 समूहों को इस श्रेणी में और जोड़ा गया, जिससे **कुल 705** **अनुसूचित जनजातियों** में से PVTG की संख्या 75 हो गई।
  - PVTGs आमतौर पर छोटे, समरूप, भौगोलिक रूप से अलग-थलग, सरल प्रौद्योगिकी, अलिखित भाषा और धीमी सामाजिक-आर्थिक प्रगति वाले होते हैं।
  - देश में PVTGs की संख्या **सबसे अधिक ओडिशा** में है।
- **सरकारी सहायता:**
  - जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा PVTG के विकास हेतु **एक केंद्रीय प्रायोजित योजना** चलाई है, जिसमें 18 राज्यों तथा अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के लिये **100% केंद्रीय वित्तपोषण** प्रदान किया जाता है।
    - इस योजना का उद्देश्य है- **PVTG का समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास करना**, साथ ही उनकी विशिष्ट संस्कृति व परंपराओं का संरक्षण सुनिश्चित करना।
    - यह योजना **शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आजीविका** से संबंधित परियोजनाओं को समर्थन देती है, जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सरकारी नेतृत्व वाली कोल्ड चेन और विकिरण सुविधा

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में **जनजातीय लोगों** की आय बढ़ाने और फसल-उपरांत होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के लिये राज्य की पहली सरकारी एकीकृत **कोल्ड चेन** और **विकिरण सुविधा** स्थापित की जाएगी।

मुख्य बिंदु

सुविधा के बारे में:

- **स्थान:** यह सुविधा **दक्षिणी छत्तीसगढ़** के **दंतेवाड़ा ज़िले** के **पातरराास गाँव** में स्थापित की जाएगी।
- **एकीकृत अवसंरचना:** इसमें शीत भंडारण, गामा विकिरण, प्रसंस्करण तथा रसद घटक शामिल होंगे।
  - इस सुविधा को **वन एवं बागवानी उत्पादों** की शेल्फ लाइफ बढ़ाने, नुकसान को कम करने तथा उनकी विपणन क्षमता सुधारने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।
- **अपनी तरह की पहली सुविधा:**
  - यह **प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY)** के अंतर्गत भारत की पहली सरकारी कोल्ड चेन तथा बहु-उत्पाद विकिरण सुविधा होगी।
- **कार्यान्वयन एवं वित्तपोषण:**
  - विकिरण प्रौद्योगिकी हेतु **विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड** के साथ **समझौते पर हस्ताक्षर** किये गए हैं। पूरी परियोजना का वित्तपोषण **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय** तथा **दंतेवाड़ा ज़िले के ज़िला खनिज फाउंडेशन (DMF)** द्वारा किया जा रहा है।
- **प्रभाव:**
  - **ग्रामीण रोज़गार:** यह सुविधा **आपूर्ति शृंखला** में **स्थानीय रोज़गार** के अवसर सृजित करेगी।
  - **आर्थिक सशक्तीकरण:** यह क्षेत्र के भीतर **मूल्य संवर्द्धन** सुनिश्चित करती है ताकि अधिक आय स्थानीय जनजातीय समुदायों के पास ही बनी रहे।
  - **रणनीतिक संरेखण:** यह सुविधा **क्षेत्रीय विकास योजनाओं** का समर्थन करती है। इसका उद्देश्य बस्तर क्षेत्र में स्थायी आजीविका के अवसरों का विस्तार कर **वामपंथी उग्रवाद** का सामना करना है।
- **लघु वन उपज (MFP) पर ध्यान:**
  - इस क्षेत्र की प्रमुख लघु वन उपज जैसे– **इमली, महुआ, जंगली आम, बाजरा** तथा **स्थानीय मसाले**, **अपर्याप्त भंडारण** और **संरक्षण सुविधाओं** के अभाव में अक्सर 10-20% **वार्षिक नुकसान** झेलते हैं।
  - इस सुविधा से **भंडारण में सुधार** होगा तथा **स्थानीय उपज का मूल्यवर्द्धन** होगा, जिससे **बर्बादी में कमी** आएगी और **बेहतर बाज़ार मूल्य** प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।
    - इससे **वन उपज संग्राहकों** और **स्थानीय किसानों** की **आय में प्रत्यक्ष वृद्धि** होने की उम्मीद है।
- **बाज़ार संबंध: रायपुर, विशाखापत्तनम** और अन्य **प्रमुख शहरी केंद्रों** की पहचान **संभावित बाज़ारों** के रूप में की गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY)

- **परिचय:**
  - कृषि-समुद्री प्रसंस्करण और कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर विकास योजना (संपदा) को मई 2017 में स्वीकृत किया गया था, जिसे बाद में **प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY)** नाम दिया गया।
  - यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसका उद्देश्य **खेत से लेकर खुदरा तक** आधुनिक **अवसंरचना** तथा **कुशल आपूर्ति शृंखलाओं** का विकास करना है।
  - यह खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देती है, **किसानों को बेहतर मूल्य** दिलाने में सहायक होती है, **ग्रामीण रोज़गार** सृजित करती है, **कृषि बर्बादी को कम** करती है, **खाद्य प्रसंस्करण स्तर** को बढ़ाती है तथा **प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात** को प्रोत्साहित करती है।
- **उद्देश्य:** कृषि को समर्थन देना, खाद्य प्रसंस्करण का आधुनिकीकरण करना तथा कृषि अपशिष्ट को कम करना।
- **मुख्य घटक:**
  - मेगा फूड पार्क
  - एकीकृत शीत शृंखला और मूल्य संवर्द्धन अवसंरचना
  - कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों के लिये आधारभूत ढाँचा
  - खाद्य प्रसंस्करण एवं संरक्षण क्षमताओं का सृजन एवं विस्तार
- **नोडल मंत्रालय:** खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं हेतु शिक्षा कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक NMDC लिमिटेड ने दो महत्त्वपूर्ण कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) पहलों की घोषणा की है, जिनका उद्देश्य पूर्णत: प्रायोजित शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाना है

- ये कार्यक्रम **'बालिका शिक्षा योजना'** तथा **'चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम'** क्षेत्र के **आदिवासी युवाओं** और **वंचित छात्रों** को **शैक्षणिक अवसर** प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

मुख्य बिंदु

- **बालिका शिक्षा योजना के बारे में:**
  - NMDC बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोंडागाँव, बीजापुर तथा नारायणपुर ज़िलों की **आदिवासी लड़कियों** को **पूर्णत: वित्तपोषित नर्सिंग शिक्षा** प्रदान कर रहा है।
  - इसका उद्देश्य प्रतिष्ठित संस्थानों में नर्सिंग शिक्षा को **पूर्णत: प्रायोजित** करना है तथा प्रति छात्रा लगभग **12-15 लाख रुपए** का **निवेश** किया जाएगा।
  - **आवेदिका** का संबंध अनुसूचित जनजाति (ST) समुदाय से होना अनिवार्य है।
- **चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के बारे में:**
  - अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर के साथ साझेदारी में, NMDC दंतेवाड़ा और बस्तर के अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिये **संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान** में पूर्णत: प्रायोजित बी.एससी. कार्यक्रम की पेशकश कर रहा है ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इस कार्यक्रम में विशेषीकृत पाठ्यक्रमों में **90 सीटें** शामिल हैं, जिनमें **60% सीटें लड़कियों** तथा **40% लड़कों** के लिये आरक्षित हैं।
- प्रत्येक चयनित छात्र को **12-15 लाख रुपए** की प्रायोजन राशि प्रदान की जाएगी, जिसमें **समस्त शैक्षणिक शुल्क** तथा **आवासीय व्यय** सम्मिलित होंगे।

आदिवासियों के लिये शैक्षिक योजनाएँ

- **आश्रम विद्यालयों की स्थापना हेतु योजना:** यह केंद्र प्रायोजित योजना, विशेष रूप से उग्रवाद-प्रभावित जनजातीय उप-योजना क्षेत्रों में, आदिवासी लड़के-लड़कियों के लिये आश्रम विद्यालयों के निर्माण को समर्थन प्रदान करती है।
- एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS): दूरदराज के क्षेत्रों में आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु अब तक 740 स्कूलों को स्वीकृति दी जा चुकी है।
- प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM-JANMAN): यह अभियान विशेष रूप से विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG) के लिये स्वास्थ्य, शिक्षा तथा आजीविका पर केंद्रित है।

छत्तीसगढ़ में जनजातियाँ

- **छत्तीसगढ़** में कुल **42 जनजातियाँ** पाई जाती हैं, जिनमें सबसे **प्रमुख** गोंड **जनजाति** है।
- इसके अतिरिक्त राज्य में कंवर, ब्रिंजवार, भैना, भतरा, उराँव, मुंडा, कमार, हल्बा, बैगा, संवरा, कोरवा, भारिया, नागेशिया, मंगवार, खरिया तथा धनवार जनजाति की भी महत्त्वपूर्ण आबादी निवास करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)

- **परिचय:**
  - CSR का तात्पर्य समाज और पर्यावरण के प्रति **कंपनी की ज़िम्मेदारी** से है। यह एक **स्व-विनियमन मॉडल** है, जो यह सुनिश्चित करता है कि व्यवसाय **आर्थिक**, **सामाजिक** तथा **पर्यावरणीय कल्याण** पर अपने प्रभावों के लिये **जवाबदेह** बने रहें।
  - **CSR को अपनाने** से कंपनियाँ सतत् विकास में अपनी व्यापक भूमिका के प्रति **अधिक जागरूक** हो जाती हैं।
- **कानूनी ढाँचा:**
  - भारत **कंपनी अधिनियम, 2013** की धारा 135 के तहत **CSR व्यय को अनिवार्य बनाने वाला पहला देश है,** जो पात्र गतिविधियों के लिये एक संरचित ढाँचा प्रदान करता है।
- **प्रयोज्यता:**
  - CSR नियम उन कंपनियों पर लागू होते हैं जिनकी **पिछले वित्तीय वर्ष में निवल संपत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक या कारोबार 1,000 करोड़ रुपए से अधिक या निवल लाभ 5 करोड़ रुपए से अधिक हो।**
  - ऐसी कंपनियों को अपने **पिछले तीन वित्तीय वर्षों** (या यदि हाल ही में स्थापित की गई हैं तो उपलब्ध वर्षों) के औसत निवल लाभ का कम से कम 2% **कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)** गतिविधियों पर व्यय करना आवश्यक है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME